यीशु नाम

न्यायियों 13:17-18 मानोह (शिमशोन का पिता) ने यहोवा के दूत से कहा, "अपना नाम बता, इसलिये कि जब तेरी बातें पूरी हों तब हम तेरा आदरमान कर सकें।" 18यहोवा के दूत ने उस से कहा, "**मेरा नाम** तो **अद्‌भुत** है, इसलिये तू उसे क्यों पूछता है?"

- इब्रानी शब्द का अर्थ है : समझ से परे

यशायाह 9:6 क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया है; और प्रभुता उसके काँधे पर होगी, और **उसका नाम** अद्‌भुत युक्ति करनेवाला पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता, और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा।

- सचमुच उसका नाम सर्वसमावेशी और समझ से बिलकुल परे है।

मत्ती 1.21 वह पुत्र जनेगी और **तू उसका नाम यीशु रखना**, क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।"

फिलिप्पियों 2:5-11 जैसा मसीह यीशु का स्वभाव था वैसा ही तुम्हारा भी स्वभाव हो; 6 जिसने परमेश्वर के स्वरूप में होकर भी परमेश्वर के तुल्य होने को अपने वश में रखने की वस्तु न समझा। 7 वरन् अपने आप को ऐसा शून्य कर दिया, और दास का स्वरूप धारण किया, और मनुष्य की समानता में हो गया। 8 और मनुष्य के रूप में प्रगट होकर अपने आप को दीन किया, और यहाँ तक आज्ञाकारी रहा कि मृत्यु, हाँ, क्रूस की मृत्यु भी सह ली। 9 इस कारण परमेश्वर ने **उसको अति महान् भी किया**, और उसको **वह नाम** दिया जो **सब नामों में श्रेष्ठ** है, 10 कि जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे हैं, वे सब **यीशु के नाम पर** घुटना टेकें; 11 और परमेश्वर पिता की महिमा के लिये हर एक जीभ अंगीकर कर ले कि **यीशु मसीह ही प्रभु है**।

इफिसियों 1:20-23 जो उसने मसीह में किया कि उसको मरे हुओं में से जिलाकर स्वर्गीय स्थानों में अपनी दाहिनी ओर 21 सब प्रकार की प्रधानता, और अधिकार, और सामर्थ्य, और प्रभुता के, और **हर एक नाम के ऊपर, जो** न केवल इस लोक में पर आनेवाले लोक में भी **लिया जाएगा**, बैठाया; 22 और सब कुछ उसके पाँवों तले कर दिया; और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहराकर कलीसिया को दे दिया, 23 यह उसकी देह है, और उसी की परिपूर्णता है जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।

पतरस ने इस बात को समझा :

प्रेरितों के काम 3:6 तब पतरस ने कहा, "चाँदी और सोना तो मेरे पास है नहीं, परन्तु जो मेरे पास है वह तुझे देता हूँ; **यीशु मसीह नासरी के नाम से** चल फिर।"

प्रेरितों के काम 3:16 और **उसी के नाम ने**, उस विश्वास के द्वारा **जो उसके नाम पर** है, इस मनुष्य को जिसे तुम देखते हो और जानते भी हो सामर्थ्य दी है। **उसी विश्वास ने जो उसके द्वारा है**, इसको तुम सब के सामने बिलकुल भला चंगा कर दिया है।

प्रेरितों के काम 4:10-12 तो तुम सब और सारे इस्राएली लोग जान लें कि **यीशु मसीह नासरी के नाम से** जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, और परमेश्वर ने मरे हुओं में से जिलाया, यह मनुष्य तुम्हारे सामने भला चंगा खड़ा है।[12] **किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं**; क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और **कोई दूसरा नाम नहीं** दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।

फिलिप्पुस ने इस बात को समझा :

प्रेरितों के काम 8:12 परन्तु जब उन्होंने फिलिप्पुस का विश्वास किया जो परमेश्वर के राज्य और **यीशु के नाम का** सुसमाचार सुनाता था तो लोग, क्या पुरुष, क्या स्त्री, बपतिस्मा लेने लगे।

पौलुस ने इस बात को समझा :

प्रेरितों के काम 9:27 परन्तु बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि इसने किस रीति से मार्ग में प्रभु को देखा, और उसने इससे बातें कीं; फिर दमिश्क में इसने कैसे **हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया**।

शिष्यों ने इस बात को समझा

लूका 10:17-19 वे सत्तर आनन्द करते हुए लौटे और कहने लगे, "हे प्रभु, **तेरे नाम से** दुष्टात्मा भी हमारे वश में हैं।" [18] उसने उनसे कहा, "मैं शैतान को बिजली के समान स्वर्ग से गिरा हुआ देख रहा था।

नीतिवचन 18:10 **यहोवा का नाम** एक दृढ़ गढ़ है। धर्मी जन उसमें भागकर सुरक्षित (अक्षरशः ऊँचा उठाया) रहता है।

रोमियों 10:13 **"जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।"**

रोमियों 10:9 यदि तू अपने मुँह से **यीशु को प्रभु जानकर** अंगीकार करे, और अपने **मन से विश्वास** करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा।

1 तीमुथियुस 2:5 क्योंकि **परमेश्वर एक** ही है, और परमेश्वर और मनुष्यों के बीच में भी **एक ही बिचवई** है, अर्थात् **मसीह यीशु** जो मनुष्य है।

कुलुस्सियों 3:17 **वचन में या काम में जो कुछ भी करो सब प्रभु यीशु के नाम से करो,** और उसके द्वारा परमेश्वर पिता का **धन्यवाद करो**।

मैं आपको प्रोत्साहित करूँगा कि आप परमेश्वर के नाम के स्थान पर **यीशु** का नाम लेने के लिए **वचनबद्ध** और **कृत-संकल्प** हों।

“परमेश्वर” का नाम तो हर धर्म में उस व्यक्ति के लिए किया जाता है जिसकी वे आराधना/पूजा करते हैं। इसलिए विशिष्ट बनें, **यीशु**—नाम का इस्तेमाल करें।

पूरे दिन उसका नाम लें। यह आपकी सहायता करेगा कि आप उस पर केन्द्रित रहें और उसकी उपस्थिति को अपने साथ महसूस करें।

यशायाह 12: 4-6 उस दिन तुम कहोगे, “यहोवा की स्तुति करो, **उससे** प्रार्थना करो; सब जातियों में उसके बड़े कामों का प्रचार करो, **और कहो कि उसका नाम महान् है।**
5 “यहोवा का भजन गाओ, क्योंकि उसने प्रतापमय काम किए हैं; इसे सारी पृथ्वी पर प्रगट करो।
6 हे सिय्योन में बसनेवाली, तू जयजयकार कर और ऊँचे स्वर से गा, क्योंकि इस्राएल का पवित्र तुझ में महान् है।”

मेरी आशा की नीव केवल **यीशु के लहू** और **धार्मिकता** पर बनी है। मैं अपनी शक्ति या बुद्धि पर भरोसा रखने का साहस नहीं कर सकता, बल्कि मैं **पूरी तरह से यीशु के नाम पर निर्भर** रहता हूँ।

हमारा परमेश्वर एक दृढ़ हैं

उसका नाम पवित्र शरण स्थान है

NT:2424 Ἰησοῦς (यूनानी) उच्चारण : **येसूस** (ये - सूस); इसका मूल इब्रानी है [OT:3091]; यीशु (अर्थात यहोशूआ), जो हमारे प्रभु और दो (तीन) अन्य इस्राएलियों का भी नाम था।

OT:3091 יְהוֹשׁוּעַ = **यहोशुवा** (य-हो-शूवा); या **यहोशू'आ** (य-हो-शु-आ) जो OT:3068 और OT:3467 से है; यहोवा बचाता है; यहोशूआ (अर्थात यहोशू), एक यहूदी नेता : यहोशुआ, यहोशू। OT:1954 और OT:3442 की तुलना करें।